कैमूर चेतना – सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

03 सितम्बर 2025

बुधवार

कैमूर अंक- 58

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- संविधान की प्रस्तावना
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- रोचक तथ्य
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

सितम्बर - 2025 कैलेंडर

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मानव जाति की प्रगति की कुंजी है। - जवाहर लाल नेहरू	1 भाद्रपद शु. 9	2 भाद्रपद शु. 10	3 भाद्रपद शु. 11	4 भाद्रपद शु. 12	5 भाद्रपद शु. 13	6 भाद्रपद शु. 14
7 भाद्रपद शु. 15	8 आश्विन कृ. 1	9 आश्विन कृ. 2	10 आश्विन कृ. 3	11 आश्विन कृ. 4	12 आश्विन कृ. 5	13 आश्विन कृ. 6
14 आश्विन कृ. 7	15 आश्विन कृ. 8-9	16 आश्विन कृ. 10	17 आश्विन कृ. 11	18 आश्विन कृ. 12	19 आश्विन कृ. 13	20 आश्विन कृ. 14
21 आश्विन कृ. 30	22 आश्विन शु. 1	23 आश्विन शु. 2	24 आश्विन शु. 3	25 आश्विन शु. 4	26 आश्विन शु. 4	27 आश्विन शु. 5
28 आश्विन शु. 6	29 आश्विन शु. 7	30 आश्विन शु. 8	व्रत व त्यौहार			

संपादकीय

कैमूर चेतना - सत्र

शुभकामना संदेश

कार्यालय
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
(स्थापना, एस.एस.ए.,माध्यमिक शिक्षा)
कैमूर (भभुआ)

कैमूर चेतना सत्र

"कैमूर चेतना सत्र" पत्रिका, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधन के रूप में प्रस्तुत की गई है। यह पहल न केवल कैमूर जिले की शिक्षण परंपरा में नवाचार का संचार करती है, बल्कि ज्ञान, सृजनशीलता और सहभागिता की एक नई दिशा भी प्रदान करती है।

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षकों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ जो उन्हें सशक्त बनाएं, अद्यतन रखें और शिक्षण को विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाएं।

"कैमूर चेतना सत्र" इसी सोच का सशक्त प्रतिबिंब है। इस रचनात्मक सामग्री के निर्माण में कैमूर चेतना – सत्र निर्माण कोषांग के सदस्यों की सहभागिता अत्यंत सराहनीय है। इनका यह समर्पण निश्चित ही जिले के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा देगा।

मैं इस पत्रिका की संकल्पना एवं निर्माण से जुड़ी संपूर्ण टीम को इस प्रयास के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

"कैमूर चेतना सत्र" भविष्य में भी शिक्षक व विद्यार्थियों — दोनों के लिए नवाचार और प्रगति का माध्यम बना रहे, यही शुभकामना है।

श्री विकास कुमार डीएन
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, कैमूर
(एस.एस.ए, स्थापना, माध्यमिक शिक्षा)

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग, कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ कैमूर

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

राजेश कुमार सिंह
महाबल भृगुनाथ +2 उच्च विद्यालय कोरिगावा बहेरा, कैमूर

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

नाना साहेब (धोंडू पन्त)

1857 के सैनिक विद्रोह के नायक

जन्म : 19 मई 1824, महाराष्ट्र

नाना साहिब (जन्म 1824) 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख नेता थे, जिन्होंने कानपुर में अंग्रेजों के विरुद्ध नेतृत्व किया था. उनका मूल नाम धोंडू पंत था और उन्हें पेशवा बाजीराव द्वितीय ने गोद लिया था. 1857 के विद्रोह के दौरान, अंग्रेजों द्वारा पेंशन बंद किए जाने के बाद उन्होंने विद्रोह किया और कानपुर पर नियंत्रण किया. हालांकि, बाद में उन्हें हार का सामना करना पड़ा और वे नेपाल भाग गए, जहाँ उनकी मृत्यु की अटकलें लगाई जाती हैं.

प्रारंभिक जीवन और पृष्ठभूमि

नाना साहिब का वास्तविक नाम धोंडू पंत था. उनका जन्म 19 मई 1824 को हुआ था. उन्हें पेशवा बाजीराव द्वितीय ने गोद लिया था, जिसके बाद उन्हें नाना साहिब के नाम से जाना जाने लगा.

1857 के विद्रोह में भूमिका

नाना साहिब 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शिल्पकार माने जाते हैं. जब पेशवा बाजीराव द्वितीय की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने पेंशन बंद कर दी, तो नाना साहिब ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विद्रोह किया. उन्होंने कानपुर में स्वतंत्रता संग्रामियों का नेतृत्व किया और कुछ समय के लिए कानपुर पर अधिकार भी किया था.

पतन और उसके बाद

अंग्रेजों की विशाल सेना के आगे उन्हें हार का सामना करना पड़ा और उन्हें कानपुर छोड़ना पड़ा. इसके बाद उन्होंने अलग-अलग जगहों पर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया और नेपाल भाग गए. नाना साहिब के अंतिम वर्षों और उनकी मृत्यु को लेकर कई रहस्य और मतभेद हैं. कुछ अभिलेखों में उनकी मृत्यु 1859 में नेपाल में मलेरिया से बताई गई है, जबकि कुछ अन्य का मानना है कि वे बचकर निकल गए.

कैमूर चेतना सत्र

1. प्रार्थना

प्रार्थना

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत – शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

कैमूर चेतना सत्र

संविधान की प्रस्तावना

"हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे।।

कैमूर चेतना सत्र

2. आज का सुविचार

"अगर आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं, तो पहले सूरज की तरह जलना सीखिए।"

— डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

3. रोचक तथ्य

इंसान की नाक 1 ट्रिलियन से ज्यादा गंधों को पहचान सकती है

4. दिवस विशेष

राष्ट्रीय वेल्श रेयरबिट दिवस

यह दिन एक स्वादिष्ट और संतोषजनक चीज़ी टोस्ट व्यंजन का जश्न मनाता है |

राष्ट्रीय गगनचुंबी इमारत दिवस

यह दिन गगनचुंबी इमारतों के निर्माण में वास्तुशिल्प प्रतिभा और मानवीय उपलब्धि को मान्यता देता है.

5. आज का इतिहास

1783: पेरिस की संधि पर हस्ताक्षर हुए, जिसने अमेरिकी क्रांति को समाप्त कर दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता

1928: सर अलेक्जेंडर फ्लेमिंग ने पेनिसिलिन की खोज की |

जन्म

1923: पंडित किशन महाराज, एक सुप्रसिद्ध तबला वादक।

1926: उत्तम कुमार, हिंदी सिनेमा के एक प्रसिद्ध अभिनेता।

1992: साक्षी मलिक, एक भारतीय महिला पहलवान जिन्होंने रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक जीता।

6. सामान्य ज्ञान

भारत की सबसे लंबी नदी कौन सी है?
- गंगा

संविधान दिवस कब मनाया जाता है?
- 26 नवम्बर

CPU का पूरा नाम क्या है?
- Central Processing Unit

भारत का राष्ट्रीय खेल क्या है?
- हॉकी (परंपरागत रूप से)

चंद्रयान-3 का मुख्य उद्देश्य क्या था?
- चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग

प्रश्न : किस मुगल सम्राट ने ताजमहल का निर्माण करवाया था ?
उत्तर: शाहजहाँ

प्रश्न: सहारा रेगिस्तान किस महाद्वीप में स्थित है ? उत्तर: अफ्रीका

प्रश्न: भारत का सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य कौन सा है?
उत्तर: अरुणाचल प्रदेश

प्रश्न: फ्रेंच ओपन प्रतियोगिता किस खेल से संबंधित है?
उत्तर: लॉन टेनिस

7. शब्द ज्ञान

हिंदी- अंग्रेजी	
कृपया बैठिए	-Please sit down
क्या समय हुआ है?	-What time is it?
मुझे जाना है	-I have to go
कोई बात नहीं	-No problem
फिर मिलेंगे	-See you again

8. तर्क ज्ञान

निम्नलिखित में से कौन सा समूह भिन्न है:

(a) केला, आम, सेब, आलू — उत्तर: आलू

9. कंप्यूटर ज्ञान

कंप्यूटर को शुरू करने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

बूटिंग (Booting)

कैमूर चेतना सत्र

10. प्रेरक प्रसंग

एक छोटे गाँव में एक लड़का था — आरव। वह पढ़ाई में औसत था, खेलों में भी पीछे रहता, और अक्सर चुपचाप बैठा रहता। स्कूल में शिक्षक उसे “शांत बच्चा” कहकर पुकारते, लेकिन कोई उसकी आँखों में छिपी चमक को नहीं देख पाया।

एक दिन गाँव के स्कूल में एक प्रतियोगिता हुई — “नेतृत्व और सेवा” पर आधारित। बच्चों को एक सप्ताह तक गाँव के किसी हिस्से में सेवा कार्य करना था और फिर अनुभव साझा करना था। आरव ने चुपचाप गाँव के वृद्धाश्रम को चुना।

वहाँ जाकर उसने देखा कि बुज़ुर्ग लोग अकेलेपन से जूझ रहे थे। उसने उनके लिए कहानियाँ सुनाना शुरू किया, उनके साथ चित्र बनाना सीखा, और हर दिन उनके लिए एक छोटी सी गतिविधि तैयार करता। धीरे-धीरे, वृद्धाश्रम में मुस्कान लौट आई।

प्रतियोगिता के दिन, जब सभी बच्चे मंच पर अपने अनुभव साझा कर रहे थे, आरव ने कहा: “मैंने जाना कि नेतृत्व का मतलब भाषण देना नहीं, बल्कि किसी की चुप्पी को सुनना है। सेवा का अर्थ है — किसी के अकेलेपन में एक दीपक जलाना।”

पूरा हॉल शांत था। शिक्षक और प्रधानाचार्य की आँखों में आँसू थे। आरव को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह थी कि अब स्कूल में हर कोई उसे *“दीपक लड़का”* कहने लगा — जो जहाँ जाता, वहाँ रोशनी फैला देता।

उस दिन से स्कूल में एक नई परंपरा शुरू हुई — *“आरव दिवस”*, जिसमें हर बच्चा किसी न किसी सेवा कार्य में भाग लेता।

शिक्षा और संदेश:

नेतृत्व केवल बोलने से नहीं, सुनने और समझने से आता है।
संवेदनशीलता एक ताकत है, कमजोरी नहीं।
हर बच्चा एक दीपक है — बस उसे जलाने का अवसर चाहिए।

कैमूर चेतना सत्र

11. बूझो तो जानें

ना मैं पक्षी, ना पतंग,
फिर भी उड़ता हूँ हर रंग।

(जवाब: हवाई जहाज़)

गोल हूँ, पर गेंद नहीं,
मुझे खाते हैं, पर मिठाई नहीं।

(जवाब: रोटी)

धातु और अधातु

धातु और अधातु के भौतिक गुणों में अन्तर

	धातु	अधातु
कठोरता	धातुएं प्रायः कठोर होती हैं।	अधातुएं प्रायः नरम एवं भंगुर होते हैं।
	अपवादः - सोडियम, पोटैशियम, लीथियम	हीरा - प्रकृति का सबसे कठोर पदार्थ है।
चमक	धातुओं में चमक होती है।	अधातुओं में चमक नहीं होती है।
		अपवादः - आयोडीन एवं ग्रेफाइट
आघातवर्धनीयता	धातुएं प्रायः आघातवर्धनीय होते हैं।	अधातुएं आघातवर्धनीय नहीं होते हैं।
	अपवादः - पारा और जिंक	
तन्यता	धातुएं प्रायः तन्य होती हैं।	अधातुएं तन्य नहीं होती है।
	अपवादः - पारा और जिंक	
धात्विक ध्वनि	धातुओं में धात्विक ध्वनि होती है।	अधातुओं में धात्विक ध्वनि नहीं होती है।

राजेश कुमार सिंह

कार्यालय : जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर

विभागीय सूचनाएं

- विभागीय निर्देशानुसार वैसे विद्यालय जहाँ पर प्रधान शिक्षक अथवा प्रधानाध्यापक पदस्थापित किये गये हैं वहाँ के प्रभारी तत्काल दो दिनों के अंदर विद्यालय का सम्पूर्ण प्रभार सौंपना सुनिश्चित करेंगे ।

- सभी मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक इंस्पायर अवार्ड से संबंधित 05 बच्चों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड के वेबसाइट पर नॉमिनेशन करते हुए पंजीकरण अनिवार्य रूप से दिनांक 15.09.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे ।

- विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा E-shikshakosh पर वि.शि. समिति / विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति /विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों के आंकड़ों की प्रविष्टी दिनांक 04.09.2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जाए ।

- सभी प्राथमिक /मध्य विद्यालय और उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक U-Dise Plus पर नामांकित सभी छात्रों की इंट्री कराने के साथ-साथ उनके प्रोफाइल अपडेट के दौरान AP,EP,GP का कार्य दिनांक 07.09.2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे ।

- सभी प्राथमिक /मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवगत होंगे कि सितम्बर 2025 में दिनांक 10.09.2025 से अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं संचालित होंगी । अतएव सभी विषयों का सिलेबस पूर्ण करा लें और इसकी सूचना छात्रों और अभिभावकों को दे देंगे ।

- सभी प्राथमिक/मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि विद्यांजली पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का पंजीकरण दिनांक 05.09.2025 तक अनिवार्य रूप से करा लें । जिले कुछ प्राइवेट और सरकारी विद्यालय अभी तक विद्यांजली पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है ।

- सभी प्राथमिक /मध्य/उच्च एवं प्राइवेट विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया जाता है कि दिनांक 07.09.2025 तक अनिवार्य रूप **स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR)** पोर्टल पर अपने-अपने विद्यालय का रेटिंग विवरणी ऑनलाइन करना सुनिश्चित करेंगे ।

"हर सुबह एक नया सत्र, हर दिन एक नई प्रेरणा"

कैमूर चेतना - सत्र टीम
संपर्क सूत्र : 8271039022
9973725565